PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 069
दि. 08.07.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी ने जकार्ता में किया नेहरू को याद, पहले पीएम ने कैसे मजबूत किए थे इंडोनेशिया से रिश्ते?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए दोनों देशों की साझा विरासत और संस्कृति पर बात की। पीएम मोदी ने ये भी कहा कि दोनों देश इतिहास के अहम मोड़ पर खड़े हैं और साझा विकास कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश रामायण काल से जुड़े हैं। इसी के साथ उन्होंने भारत के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंडोनेशिया दौरे का आज दूसरा दिन है। इस दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने पीएम मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिन्तांग आदिपूर्ण' देकर सम्मानित किया। पीएम ने इसके बाद इंडोनेशिया की संसद को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने इस सम्मान के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति और देश की जनता का आभार जताया। पीएम ने इस दौरान भारत-इंडोनेशिया के संबंधों के इतिहास पर भी बात की। इस बीच मोदी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बांदुंग कॉन्फ्रेंस (1955) में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो और भारत के प्रधानमंत्री नेहरू ने दुनिया को संदेश दिया कि स्वतंत्र देशों को अपने फैसले खुद लेने का पूरा अधिकार है।

पीएम के इस संबोधन से ठीक पहले कांग्रेस ने भी एक बयान जारी किया। इसमें पार्टी ने बताया कि इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान इससे पहले नेहरू को मिल चुका है। वह भी मरणोपरांत। कांग्रेस ने एक्स पर इस पोस्ट के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी पर तंज भी कसा।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के बीच यह चर्चाएं तेज हैं कि आखिर भारत की आजादी के बाद इंडोनेशिया से हमारे रिश्ते कैसे थे? दोनों देश ऐतिहासिक स्तर पर किस तरह जुड़े हैं? भारत के पहले पीएम की दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाने में क्या भूमिका रही? पीएम मोदी ने जिस बांदुंग कॉन्फ्रेंस का जिक्र किया, वहां भारत और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्राध्यक्षों ने क्या संदेश दिया था? आइये जानते हैं...

क्या है भारत-इंडोनेशिया के रिश्तों का इतिहास?

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों का इतिहास करीब दो शताब्दियों से भी ज्यादा पुराना है। इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास की वेबसाइट के मुताबिक, यह रिश्ते रामायण और महाभारत के काल से हैं। भारत की तरह ही इंडोनेशिया में लोक कला और नाट्यों में इन दोनों ग्रंथों से जुड़ी घटनाओं का जिक्र मिलता है। इतना ही नहीं इंडोनेशिया में हिंदुत्व, बौद्ध धर्म और बाद में इस्लाम धर्म का आगमन भी भारत से ही हुआ। इंडोनेशिया की बड़ी आबादी एक समय हिंदू-बौद्ध धर्म को मानती थी। हालांकि, समय के साथ इस्लाम धर्म पूरे इंडोनेशिया में प्रसारित हुआ।

किन भारतीय ग्रंथों का इंडोनेशिया में जिक्र मौजूद?

इंडोनेशिया की सरकारी यूनिवर्सिटी- यूनिवर्सिटास नेगेरी सेमारंग में 2018 में छपी एक रिसर्च के मुताबिक, भारत और इंडोनेशिया के रिश्ते रामायण और महाभारत काल से जुड़े होने के कई सबूत मिले हैं। खासकर इंडोनेशिया में मौजूद कलाकृतियां और आर्किटेक्चर, जिनमें भारत की पौराणिक काल के इतिहास का जिक्र मौजूद है।

बताया जाता है कि भारत में प्रचलित त्रेता युग के ग्रंथ- रामायण में जावा का जिक्र मिलता है। रामायण में इस जगह को यवद्वीप के नाम से जाना गया है। यहां प्रभु राम की सेना के प्रमुख सुग्रीव ने माता सीता की खोज के लिए अपनी एक टुकड़ी भेजी थी।

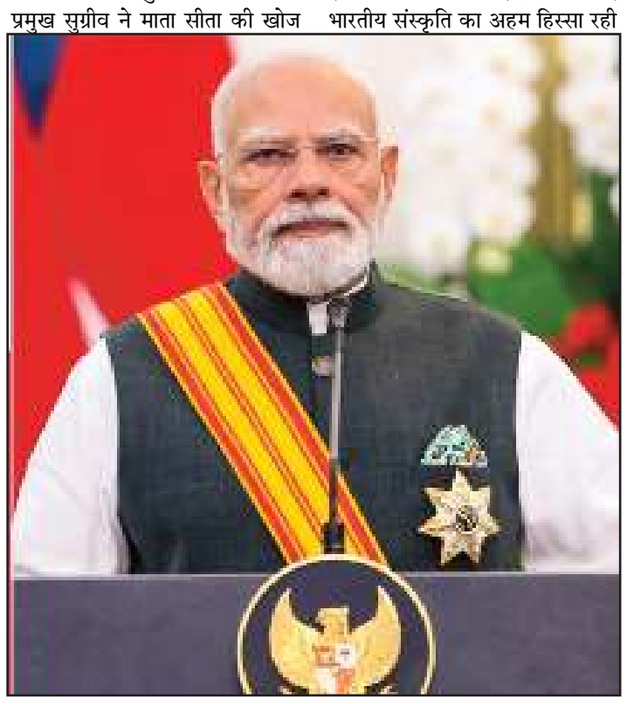

इंडोनेशिया नाम में भी भारत की छाप

इसी रिसर्च में कहा गया है कि हिंदू और बौद्ध धर्म भारत से ही इंडोनेशिया में फैले। इन्हीं के जरिए भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा रही संस्कृत और ब्राह्मी लिपियों ने भी इंडोनेशिया में जगह बनाई। आज भी इंडोनेशिया में प्रचलित भाषाओं में भारत की संस्कृत से लेकर तमिल शब्दों की झलक तक दिख जाती है।

इस देश में भारत का प्रभाव कितना ज्यादा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विदेशी यात्रियों ने इंडोनेशिया का नाम भारत के जरिए ही पहचाना गया। इंडोनेशिया नाम लातिन शब्द इंडस (यानी भारत) और ग्रीक शब्द नेसोस (यानी द्वीप) को मिला कर बना। 18वीं सदी से इंडोनेशिया का नाम पूरी दुनिया में चलन में रहा है।

इंडोनेशिया के मंदिरों, कलाओं और नाट्यों में भारतीय संस्कृति की झलक

पुरातनकाल के भारतीय संस्कृत और ब्राह्मी अभिलेखों को इंडोनेशिया ले गए। इसी के जरिए रामायाण और महाभारत जैसे ग्रंथों को इंडोनेशिया में प्रचार मिला। आज भी इंडोनेशिया के जावा में नाटकों में कई ओपन थिएटर बने हैं, जहां इंडोनेशिया के मुस्लिम समुदाय के लोग पूर्णिमा पर रामायण से जुड़े नृत्य में हिस्सा लेते हैं। इसके अलावा इंडोनेशिया में कई मंदिर भी हैं, जिनकी कलाकृतियों में भारतीय संस्कृति की झलक साफ दिखती है।

नालंदा विश्वविद्यालय में पढ़ने आते थे इंडोनेशिया के लोग

एक और स्टडी के मुताबिक, इंडोनेशिया में जब हिंदू-बौद्ध धर्म पूरी तरह फैला था, तब कई इंडोनेशियाई नागरिक भारत में नालंदा यूनिवर्सिटी में पढ़ने पहुंचते थे। इसी दौरान भारत का प्रभाव भी इंडोनेशिया पर तेजी से बढ़ा था। बताया जाता है कि इंडोनेशिया में प्राचीन समय में हिंदुत्व, मध्यकाल में बौद्ध धर्म और 12वीं सदी के बाद इस्लाम धर्म तेजी से फैला।

इस्लाम धर्म भारत के गुजरात से इंडोनेशिया के सुमात्रा पहुंचा। 15वीं सदी तक यह धर्म पूरे जावा में फैल गया। हालांकि, भारत और इंडोनेशिया का यह जुड़ाव सिर्फ धर्म और कला के क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहा। व्यापार के मामले में भी दोनों देशों ने संपर्क जारी रखा। इसके बाद 15वीं सदी से 20वीं सदी का समय ऐसा रहा, जब दोनों देशों के रिश्तों में ठहराव आ गया। इस दौरान संपर्क बरकरार तो रहे, लेकिन यह स्थिर थे।

रविंद्रनाथ टैगोर ने की संस्कृति की तारीफ और फिर बढ़ निकला करीबी संबंधों का कारवां

20वीं सदी में एक बार फिर भारत और इंडोनेशिया के संबंधों में सुधार की शुरूआत हुई। यही वह दौर था, जब रविंद्रनाथ टैगोर बाली पहुंचे थे और उन्होंने यहां भारतीय संस्कृति की झलक देख इसकी जबरदस्त तारीफ की थी।

भारत की आजादी के बाद दोनों देशों के रिश्ते तेजी से बढ़े और पहले गणतंत्र दिवस में भारत ने इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति सुकर्णो को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया। 1951 में भारत और इंडोनेशिया ने दोस्ती की संधि पर हस्ताक्षर किए।

1955 में भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो गुट-निरपेक्ष आंदोलन (नॉन-अलाइंड मूवमेंट) के पांच संस्थापकों में शामिल रहे थे। 2011 में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुसिलो बामबांग युधोयोनो गणतंत्र दिवस पर भारत के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किए गए थे।

आजादी के बाद कैसे बढ़े भारत-इंडोनेशिया के रिश्ते?

भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंधों का सफर आजादी के बाद से लेकर अब तक कई ऐतिहासिक उतार-चढ़ाव से गुजरा है। हालांकि, आजादी के ठीक बाद दोनों देश गुटनिरपेक्ष आंदोलन की अहम आवाज बनकर मजबूत दोस्त के तौर

भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक संबंधों को मिल रही नई दिशा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक संबंधों को नई दिशा मिल रही है। इसी क्रम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख शहरों बेंगलुरु और मेलबर्न के बीच तकनीक आधारित भविष्य की तैयारी के लिए एक महत्वपूर्ण नगर स्तरीय साझेदारी शुरू हुई है। विकेंद्रीकृत कूटनीति की दिशा में एक बड़ी पहल के तहत मेलबर्न और बेंगलुरु के नगर प्रशासन ने स्मार्ट सिटी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया है। इस साझेदारी की शुरूआत पिछले वर्ष मेलबर्न के लॉर्ड मेयर और उप लॉर्ड मेयर के नेतृत्व में भारत आए उच्च स्तरीय नगर प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान हुई थी।

नई दिल्ली में बैठे चीनी राजदूत क्यों हुए अपने देश में गद्दार? किस बात की मिल रही सजा

(जीएनएस)।

चीन ने हाल ही में भारत में राजदूत बनाए शू फेइहोंग इन दिनों अपने ही देश में घिर गए हैं। चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'वेइबो' पर उनके खिलाफ कई प्रतिक्रियाएं देखी जा रही हैं। जिसके बाद उनके लिए नई मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मामला चीनी वीजा से जुड़ा है जिसे लेकर फेइहोंग को घेरा जा रहा है। जानेंगे क्या है मामला और कैसे रडार पर आए चीनी राजदूत, दरअसल, नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास द्वारा इस साल की पहली तिमाही में लगभग 85,000 भारतीय नागरिकों को वीजा जारी किए गए। साल 2020 में गलवान घाटी में हुए सैनय संघर्ष के बाद पैदा हुए तनाव के बीच वीजा के इन आंकड़ों में यह एक बड़ा उछाल है। अब इसी को लेकर राजदूत पर आरोप लग रहे हैं कि वे भारतीयों के प्रति

जरूरत से ज्यादा नर्म हैं। जबकि नई दिल्ली ने अभी भी चीनी लोगों के लिए अभी भी सख्ती कर रखी है। बस इसी बात को लेकर पूरा मामला बिगड़ा हुआ है। चीन में उठी राजदूत को हटाने की मांग, वेइबो पर कई यूजर्स ने सीधे राजदूत शू फेइहोंग को निशाना बनाते हुए उन्हें तत्काल पद से हटाने की माग तक कर डाली है। सोशल मीडिया पर लोग इस उदार वीजा नीति को अपने देश की सुरक्षा के लिए एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। कई जगहों पर यह सवाल पूछा जा रहा है कि जब भारत अभी भी चीन को एक प्रतिद्वंद्वी देश के रूप में देखता है, तो इतनी बड़ी संख्या में भारतीयों को चीन में आने की इजाजत देना राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता क्यों नहीं है?

बढ़ते सोशल मीडिया विवाद को देखते हुए नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास को सार्वजनिक रूप से हसतक्षेप करना पड़ा। दूतावास ने एक स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि भारतीयों को जारी किए गए कुल वीजा में से 80 प्रतिशत से अधिक केवल बिजनेस वीजा हैं।

'पागल, खच्चर, बुड़बक, बदतमीज हो', क्यों भड़की मैथिली ठाकुर?

(जीएनएस)।

बिहार के दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक और मशहूर लोकगायिका मैथिली ठाकुर एक वायरल ऑडियो को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित ऑडियो में वह एक युवक पर गुस्सा करती और अपशब्द बोलती सुनाई दे रही हैं। हालांकि, इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

लेकिन जिस युवक से बातचीत होने का दावा किया जा रहा है, उसने मीडिया के सामने आकर इसे सही बताया है। पूरा विवाद एक लापता युवक के परिवार की मदद और उस पर बनाए गए सोशल मीडिया वीडियो से जुड़ा बताया जा रहा है।

क्या है वायरल ऑडियो का पूरा मामला? पिछले 24 घंटे से सोशल मीडिया पर एक कथित ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि इसमें अलीनगर की विधायक मैथिली ठाकुर एक युवक से फोन पर बात कर रही हैं। बातचीत के दौरान वह काफी नाराज दिखाई देती हैं और कई कड़े शब्दों का इस्तेमाल करती सुनाई देती हैं। हालांकि, इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन ऑडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस तेज हो गई है और लोग विधायक के व्यवहार पर सवाल उठा रहे हैं।

गौतम झा ने क्या दावा किया? दरभंगा के नदियामि गांव के रहने वाले गौतम झा ने मीडिया के सामने आकर दावा किया कि वायरल ऑडियो उसी और विधायक के बीच हुई बातचीत का है। उनके मुताबिक, 4 जुलाई की रात करीब 11 बजे विधायक का फोन आया था। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक ने बिना उनकी बात सुने उन्हें डांटना शुरू कर दिया। गौतम का कहना है कि बातचीत की रिकॉर्डिंग हो गई, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधायक से कोई अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं किया था।

आखिर विधायक क्यों हुईं नाराज? बताया जा रहा है कि पूरा विवाद लापता युवक सुभाष चौपाल से जुड़ा है। सुभाष कुछ दिन पहले हैदराबाद से गांव लौटते समय लापता हो गया था। गौतम झा ने उसके परिवार से मिलकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक गांव आने के बावजूद पीड़ित परिवार से मिलने नहीं पहुंचीं। वीडियो में परिवार की महिला ने भी विधायक से नाराजगी जताई। इसके बाद यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया।

ऑडियो में क्या-क्या सुनाई दे रहा है?

वायरल कथित ऑडियो में विधायक युवक को "पागल", "खच्चर", "बुड़बक" और "बदतमीज" जैसे शब्द कहती सुनाई दे रही हैं। ऑडियो में वह यह भी कहती हैं कि तुम अलीनगर में रहने लायक नहीं हो और जनता की भावनाओं से मत खेलो। साथ ही वह यह भी कहती हैं कि अगर दोबारा ऐसा किया तो भगवान भी तुम्हें खुश नहीं रखेगा।

इन शब्दों को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

गौतम झा का कहना है कि उनका मकसद सिर्फ एक लापता युवक के परिवार की आवाज उठाना था। उन्होंने कहा कि विधायक का गुस्सा इस बात पर था कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ सवाल उठ रहे थे। गौतम ने तंज कसते हुए कहा कि विधायक जनता के बीच कम और गायकी में ज्यादा व्यस्त रहती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें किसी राजनीति से मतलब नहीं है, वे सिर्फ चाहते हैं कि लापता युवक को जल्द से जल्द खोजा जाए और उसके परिवार को न्याय मिले।

विधायक की चुप्पी से बढ़े सवाल

वायरल ऑडियो सामने आने के बाद विधायक मैथिली ठाकुर की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मीडिया ने उनका पक्ष जानने की कोशिश की, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनका मोबाइल फोन बंद बताया गया। ऐसे में पूरे मामले को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

हरित ऊर्जा परियोजनाओं को गति देने के लिए बिहार ने केंद्र से मांगा सहयोग

(जीएनएस)।

बिहार राज्य में सौर अपनाने, ग्रिड एकीकरण और हरित हाइड्रोजन नीति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 3305 टह हरित ऊर्जा गलियारे, इएर तैनाती, पीएम सूर्य होम विस्तार, और पीएम-कुसुम चरण क्क को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय सहयोग का आग्रह करता है।

बिहार सरकार ने राज्य में हरित और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग मांगा है। ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं ऊर्जा सचिव अजय यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (टठफ्ए) के सचिव संतोष कुमार सारंगी से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की।

बैठक में बिहार में 3305 मेगावाट क्षमता के ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) के विकास के लिए आवश्यक स्वीकृति और वित्तीय सहयोग का अनुरोध किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना राज्य में प्रस्तावित सौर ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित बिजली की सुगम निकासी और ग्रिड इंटीग्रेशन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। यह अवसंरचना जमुई, बांका, लखीसराय, औरंगाबाद और कैमूर जैसे नवीकरणीय ऊर्जा संभावित जिलों में स्थापित की जा रही सौर और इएर परियोजनाओं के प्रभावी संचालन में अहम भूमिका निभाएगी।

बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बिहार में योजना के विस्तार पर भी चर्चा हुई। राज्य में करीब 58 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ता हैं, जबकि फिलहाल केवल 2.5 लाख उपभोक्ताओं को 1.1 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने की स्वीकृति मिली है। राज्य सरकार ने पहले चरण में 10 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को योजना में शामिल करने का प्रस्ताव एमएनआरई को भेजा है। बिहार सरकार ने इस प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया।

बैठक में पीएम-कुसुम योजना (फेज-क्क) के तहत 1000 कृषि फीडरों के सोलराइजेशन, औरंगाबाद में 150 मेगावाट क्षमता के रएउक सोलर पार्क, बिहार ग्रीन हाइड्रोजन नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और राज्य में राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (NISE) के क्षेत्रीय परिसर की स्थापना जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार ने कहा कि बिहार सरकार स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

वहीं ऊर्जा सचिव अजय यादव ने कहा कि इन परियोजनाओं के लागू होने से बिहार की ऊर्जा अवसंरचना और मजबूत होगी, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों के साथ आम उपभोक्ताओं को भी इसका लाभ मिलेगा। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और एमएनआरई सचिव संतोष कुमार सारंगी ने बिहार सरकार के प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार करने और आवश्यक सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

अमेरिका ने ईरान पर फिर दागे रॉकेट, तेल खरीद में दी गई छूट भी छीनी, भारत की क्यों बढ़ सकती है टेंशन

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा विवाद एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच कुछ ही हफ्ते पहले हुआ सीजफायर (युद्धविराम) पूरी तरह टूट चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मंगलवार, 7 जुलाई को एक बड़ा फैसला लेते हुए ईरान को तेल बेचने के मामले में दी गई प्रतिबंधों की छूट को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है।

इसके साथ ही, अमेरिकी सेना ने ईरान के ठिकानों पर दोबारा बमबारी और मिसाइल हमले शुरू कर दिए हैं।

इस अचानक बदले घटनाक्रम से पूरी दुनिया के शेयर बाजारों और कच्चे तेल के मार्केट में खलबली मच गई है, जिसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है।

दोनों देशों में कुछ हफ्ते पहले हुआ था युद्धविराम

अमेरिका और ईरान के बीच कई महीनों तक चले तनाव और संघर्ष के बाद दोनों देशों ने कुछ सप्ताह पहले एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर सहमति जताई थी। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकना और हालात को सामान्य करना था। इसके तहत अमेरिका ने ईरान से तेल खरीदने पर लगी कुछ पाबंदियों में अस्थायी राहत दी थी। यह छूट 21 अगस्त तक लागू रहने वाली थी, लेकिन अब इसे तय समय से पहले ही वापस ले लिया गया है।

अमेरिका ने क्यों खत्म की तेल खरीद की छूट?

अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह राहत हमेशा के लिए नहीं थी, बल्कि ईरान के व्यवहार पर निर्भर थी। अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक-राष्ट्रपति ट्रंप और उनका प्रशासन पहले भी साफ कर चुका है कि ईरान को मिलने वाली कोई भी राहत उसके अच्छे व्यवहार पर निर्भर करेगी। अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करेगा, तो उसे कोई फायदा नहीं मिलेगा। अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग से गुजर रहे तीन कारोबारी जहाजों को निशाना बनाया, इसलिए तेल खरीद पर दी गई छूट वापस ले ली गई। अमेरिका ने फिर शुरू किए सैन्य हमले, तेल खरीद की छूट खत्म करने के साथ ही अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई भी दोबारा शुरू कर दी है। यूएस सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर कई शक्तिशाली हमले शुरू किए हैं।

अमेरिकी सेना का कहना है कि इन हमलों का मकसद ईरान को यह संदेश देना है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। CENTCOM ने अपने बयान में कहा कि ईरान की कार्रवाई "बिना किसी उकसावे के की गई, बेहद खतरनाक थी और युद्धविराम समझौते का साफ उल्लंघन है।"

सम्पादकीय

दमिश्क में हालिया विस्फोट के पीछे हैं साजिश के तार

दमिश्क विस्फोट मंगलवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क में जो धमाका हुआ, वह उस होटल फोर सीजन्स के नजदीक हुआ जिसमें प्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैव्रों ठहरे हुए थे। वे दमिश्क के राष्ट्रपति अहमद अल शरा से मुलाकात के लिए उनके सरकारी निवास पर गए हुए थे। राष्ट्रपति मैव्रों के साथ उनके देश के व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। इस हमले में मरा तो कोई नहीं किन्तु सुरक्षाकर्मियों सहित 18 लोग घायल हुए। राष्ट्रपति मैव्रों ने तुका की राजधानी अंकारा से पहले दमिश्क की यात्रा की योजना बनाई थी। अंकारा में बुधवार से नाटो शिखर सम्मेलन की बैठक होनी है और उसमें प्रांस के राष्ट्रपति को शामिल होना था। दरअसल अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस विस्फोट के लिए जिम्मेदार कौन लोग हैं, किन्तु इतना तो स्पष्ट है कि जिन लोगों ने इस विस्फोट की साजिश की है, या तो वे सीरिया को अस्थिर करने वाले लोग हैं अथवा प्रांस के सव्रिय इस्लामिक आतंकी संगठन के लोग हैं। किन्तु इतना तो तय है कि इस घटना से एक बात तो बिलवुल साफ हो गई है कि राष्ट्रपति मैव्रों की सुरक्षा जितनी पुष्ट होनी चाहिए थी, उतनी की नहीं गई। राष्ट्रपति मैव्रों अपने देश में तो इस्लामिक आतंक से लगातार संघर्ष कर रहे हैं और काफी हद तक इन संगठनों पर नियंत्रण भी हासिल कर लिया है लेकिन दमिश्क में घटना स्थल की समीक्षा करने पर एक बात तो स्पष्ट होती है कि जो लोग राष्ट्रपति मैव्रों को निशाना बनाना चाहते थे, वे भी बड़ी आसानी से उस होटल तक पहुंच गए जिसमें प्रांस जैसे बड़े यूरोपियन यूनियन का सदस्य देश ठहरा हुआ था। कल्पना कीजिए कि यदि राष्ट्रपति मैव्रों को वुछ हो जाता तो दुनिया में इसका क्या संदेश जाता। प्रांस के इस्लामिक कट्टरपंथी अपने प्रयास में सफल होने का जश्न मनाते ही साथ ही सत्ता विरोधी सीरिया की ताकतों को यह कहने का अवसर मिल जाता कि उन्होंने अपने सबसे बड़े दुश्मन को खत्म कर दिया। इस घटना से एक बात तो स्पष्ट है कि विश्व के वुछ देश जितना ध्यान अपने विरोधी देश को तबाह करने पर दे रहे हैं, यदि उतना ही वे आतंकवादियों को समाप्त करने पर देते तो शायद दुनिया का ज्यादा भला होता। हैरानी की बात तो यह है कि आज तक संयुक्त राष्ट्र संघ आतंकवाद की एक सर्वमान्य परिभाषा तक नहीं तय कर सका। जब भी किसी आतंकी संगठन को यूएनओ प्रतिबंध लगाता है तो पी-5 यानि स्थायी सदस्य देश वीटो लगाकर उन्हें बचा लेते हैं। इसका मतलब यह है कि जो आतंकी संगठन किसी देश के लिए आतंकी होते हैं, वहीं दूसरे देश के लिए वह स्वतंत्रता सेनानी बन जाते हैं। यही कारण है कि निन्दा तो आतंकवाद की सभी देश करते हैं किन्तु अपनी सुविधा के अनुसार ही। मतलब यह हुआ कि ले देकर आज दुनिया के पास फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) रह गई है जो आतंकियों पर नियंत्रण लगाने के लिए अस्तित्व में है। 1989 में जी-7 देशों ने एफएटीएफ संगठन का गठन किया था। किन्तु एफएटीएफ की निगरानी सूची में शामिल देशों को भी यदि ज्यादा सदस्य देश चाहें तो मिलकर वोटिंग के माध्यम से बाहर कर सकते हैं। बहरहाल विश्व के लिए सबसे बड़ा खतरा आतंकवाद बना हुआ है। इसे खत्म करने के लिए पूरी दुनिया को एकजुट होना पड़ेगा। ऐसा नहीं हो सकता कि एक के लिए घातक और दूसरे के लिए अच्छा आतंकवाद अब और चलेगा। आतंकवाद विघटनकारी प्रवृत्ति है और इसे नष्ट करने के लिए हर देश को अपने तुच्छ स्वार्थ को त्यागना होगा, अन्यथा आज जैसे प्रांस के राष्ट्रपति को निशाना बनाया गया। उसी तरह दूसरे राष्ट्राध्यक्षों को भी बनाया जा सकता है।

बांकीपुर उप चुनाव: प्रशांत किशोर की चुनौती, खोने को कुछ नहीं पीके के पास

(जीएनएस)।

बिहार में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर बांकीपुर विधानसभा सीट से उप चुनाव लड़ने वाले हैं. रविवार को पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया है. बिहार में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में बांकीपुर सीट से बीजेपी के नितिन नबीन जीते थे. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन ने यह सीट छोड़ दी थी.

चुनाव आयोग ने बताया है कि मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट के साथ ही बांकीपुर सीट पर 30 जुलाई को वोट डाले जाएंगे और वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी.

प्रशांत किशोर का विधानसभा उप चुनाव लड़ने का फैसला कई मायनों में हैरान करने वाला भी है, क्योंकि बांकीपुर सीट को बीजेपी का गढ़ भी माना जाता है और राज्य में उसके नेतृत्व में सरकार भी चल रही है.

ऐसे में प्रशांत किशोर कितनी बड़ी चुनौती पेश कर पाएंगे, यह देखना भी दिलचस्प होगा.

इससे पहले, बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के दौरान उन्होंने अंतिम समय में खुद चुनाव लड़ने से मना कर दिया था. उन्होंने कहा था कि 'यह उनकी पार्टी का फैसला था कि राज्य की अन्य सीटों पर ध्यान देना जरूरी है.'

इसके बाद भी विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी का खाता नहीं खुला था.

बांकीपुर सीट की एक खास बात पर गौर करें तो 2025 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर कुल दस उम्मीदवार खड़े हुए थे और इनमें से सभी सामान्य (जनरल) वर्ग के थे.

बांकीपुर सीट से विधानसभा उप चुनाव लड़ने के पीछे प्रशांत किशोर की क्या रणनीति हो सकती है, यह सवाल कई लोगों के मन में उत्सुकता पैदा कर सकता है.

क्या बिहार की सियासत से नीतीश कुमार की विदाई और सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रशांत किशोर कोई नया सियासी समीकरण तलाशने की कोशिश में हैं.

प्रशांत किशोर ने बांकीपुर के लोगों से कहा, "मोदी जी तो आपसे बात करने आएंगे नहीं. आज भी नहीं आएंगे, पांच बरस बाद भी नहीं आएंगे. कैसे मोदी जी को पता चलेगा कि सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाने से आप खुश नहीं हैं. भाजपा को बांकीपुर से हराइए. उन तक अपने आप खबर पहुंच जाएगी कि उन्होंने जिस व्यक्ति का चुनाव किया है, उससे आप सहमत नहीं हैं."

वरिष्ठ पत्रकार नचिकेता नारायण कहते हैं कि प्रशांत किशोर के पास चुनाव में हारने के लिए कुछ भी नहीं है, लेकिन यह सीट उन्हें हेडलाइन्स में जगह दिला सकती है.

वह कहते हैं, "ऐसा लगता है कि प्रशांत किशोर अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं. वो ऐसी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जो बीजेपी का मजबूत गढ़ रही है. यहां से चुनाव लड़ते ही वो चर्चा में आ जाएंगे."

इस क्षेत्र से नितिन नबीन पांच बार चुनाव जीत चुके हैं, इससे पहले उनके पिताजी यहां से विधायक होते थे. पहले यह इलाका पटना पश्चिम विधानसभा सीट के अंतर्गत आता था.

नितिन नबीन ने साल 2006 में पहली बार इस सीट से चुनाव जीता था. उसके बाद बांकीपुर सीट बनने पर साल 2010 से नितिन नबीन ही लगातार यहां से बीजेपी के विधायक रहे.

बांकीपुर विधानसभा सीट पटना के शहरी क्षेत्र में आती है.

नचिकेता नारायण कहते हैं, "पीके जीत गए तो उनके लिए बहुत बड़ी बात होगी और कभी-कभी लोगों को लगता है कि वो हारकर भी सुर्खियाँ बटोर लेंगे, जैसे कि साल 2014 के लोकसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल बनारस से नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़े थे."

"बांकीपुर सीट अब हाई-प्रोफाइल सीट बन गई है और यहां बीजेपी जो भी उम्मीदवार उतारेगी वह इलाके के लिए नया नाम होगा, जबकि पीके को लगता है कि उन्हें जनता कम-से-कम जानती तो है ही."

नचिकेता नारायण ने कहा, "प्रशांत किशोर के मन में अपना तलाश में हैं कि अगड़ी जाति के बीजेपी समर्थक सम्राट चौधरी को

मुख्यमंत्री बनाने या भोजपुर और कुछ अन्य घटनाओं की वजह से नाराज हैं. ऐसे में पीके को लगता है कि वोटर उन्हें वोट देकर बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से अपनी नाराजगी जता सकते हैं."

बिहार में भोजपुर ज़िले के भरत भूषण तिवारी के 'एनकाउंटर' का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है. 7 जून को पुलिस ने भरत तिवारी का 'एनकाउंटर' किया, जिसके बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी.

बीते कुछ समय में बिहार में हुई कई घटनाओं को लेकर प्रशांत किशोर काफी सक्रिय भी दिखे हैं.

बांकीपुर विधानसभा सीट लंबे समय से काफी कम वोटिंग के लिए जानी जाती रही है. पिछले साल हुए चुनाव में भी इस सीट पर करीब 41% वोट डाले गए थे.

यानी वोटरों के बीच जिस 'अर्बन अपैथी' (शहरी उदासीनता) की बात की जाती है, वह बांकीपुर के वोटर टर्न आउट में दिखती है.

बीजेपी को साल 2025 में यहां करीब 25% वोट मिले थे और नितिन नबीन ने करीब 52 हजार वोटों से जीत दर्ज की थी.

यानी बीजेपी को इस सीट पर करीब 75% वोटरों ने वोट नहीं दिया. जाहिर है प्रशांत किशोर इस गणित में अपने लिए संभावना की तलाश जरूर करेंगे, जो बीजेपी के सामने एक चुनौती हो सकती है.

बीजेपी के लिए यहां एक अन्य चुनौती यह भी हो सकती है कि जो उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष की सीट रही है, उस पर न केवल वह जीत हासिल करे, बल्कि जीत के अंतर को भी बचा कर रखे. वरिष्ठ पत्रकार माधुरी कुमार कहती हैं, "मैं समझती हूं कि प्रशांत किशोर को लगता है कि कम से कम उनके खुद के मुकाबले बीजेपी के पास इस सीट पर कोई जाना-पहचाना चेहरा नहीं है, तो वो इस स्थिति का फायदा उठा सकते हैं."

वह कहती हैं, "प्रशांत किशोर किसी भी तरह बिहार की सियासत में एक एंट्री चाहते हैं. साल 2025 के विधानसभा चुनावों में उन्हें फीडबैक मिल गया था कि वो हार जाएंगे, इसलिए उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा. संभव है इस बार उन्हें कोई फीडबैक मिला हो कि उनके पास बीजेपी और आरजेडी के उम्मीदवारों के मुकाबले बढ़त है."

हालांकि साल 2025 के चुनाव नतीजों पर गौर करें तो इस सीट पर जन सुराज पार्टी की वंदना कुमारी भले ही तीसरे नंबर पर थीं, लेकिन उन्हें 5% से भी कम वोट मिले थे.

जन सुराज का चुनावी प्रदर्शन

बांकीपुर की जनता से संवाद करते हुए प्रशांत किशोरइमेज स्रोत,@खअठरवफ्लअखडठछक्टए

इमेज कैप्शन,बांकीपुर की जनता से संवाद करते हुए प्रशांत किशोर

प्रशांत किशोर ने राजनीति में एक चुनावी रणनीतिकार के तौर पर एंट्री की थी. वो अक्सर दावा करते हैं कि उन्होंने कई सियासी दलों को सत्ता दिलाने में अहम भूमिका निभाई.

उन्होंने बिहार में कई जगहों की यात्रा की और अपने साथ लोगों को जोड़ने की कोशिश भी की. फिर साल 2024 में उन्होंने अपनी जन सुराज पार्टी बनाई.

हालाँकि पहले उन्होंने खुद संभावना जताई थी कि वो राघोपुर सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. यह सीट आरजेडी की परंपरागत सीट रही है और साल 2025 में तेजस्वी यादव यहां से चुनाव लड़ रहे थे.

कई लोगों के मानना था कि चुनाव के ठीक पहले प्रशांत किशोर का चुनाव मैदान से पीछे हट जाना, पार्टी के बहुत बुरे प्रदर्शन के पीछे एक वजह थी.

उन चुनावों में बिहार की 243 विधानसभा सीटों में 89 पर सीटें बीजेपी के खाते में गईं, जबकि जेडीयू को 85 सीटें मिलीं. वहीं राष्ट्रीय जनता दल 25 और एलजेपी (आर) को 19 सीटों पर जीत मिली थी.

जन सुराज पार्टी चुनाव में अपना खाता तक नहीं खोल पाई थी. पार्टी का प्रदर्शन इतना खराब रहा कि उसके 238 में से 236 उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए.

उन चुनावों में प्रशांत किशोर की पार्टी को कुल करीब 3.4 फीसदी वोट मिले थे और वे जिन दावों के साथ चुनाव मैदान में उतरे थे वो पूरी तरह धराशायी हो गए.

आमतौर पर उप चुनावों को लेकर वोटरों या राजनीतिक विश्लेषकों की बहुत ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखती है, लेकिन पीके ने उम्मीदवार बनने की घोषणा कर बांकीपुर सीट पर कई लोगों की नजर टिका दी है.

हारे हुए आसिम मुनीर को कहां से मिल रहा भारत को धमकाने का कॉन्फिडेंस? यूक्रेन का वो कांड तो नहीं जिम्मेदार

(जीएनएस)।

भारत की सीमाओं पर 'ऑपरेशन सिंदूर' और अपने करीब 600 ड्रोन्स के सुपरफ्लॉप होने के बाद बौखलाए पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर अब सिंधु जल समझौते को रद्द करने की धमकियां दे रहे हैं और जंग की बातें कर रहे हैं. लेकिन इस पूरी नाकामी के बाद मुनीर की सेना को अचानक यह नया कॉन्फिडेंस आखिर मिल कहां से रहा है? सोशल मीडिया और डिफेंस एक्सपर्ट्स के बीच उड़ती खबरों की मानें तो भारत से करारी शिकस्त झेलने के बाद अब पाकिस्तान ने रूस के साथ भीषण जंग में तपे यूक्रेन का हाथ थाम लिया है, जहां यूक्रेन की सेना पाकिस्तानी मिलिट्री को आधुनिक ड्रोन ऑपरेशन्स की सीक्रेट ट्रेनिंग दे रही है.

पाकिस्तान के ह्यफेल्ड मार्शलह्ल आसिम मुनीर सिंधु नदी समझौता रद्द होने से बौराए हुए हैं. वो जंग के मूड में नजर आ रहे हैं और ह्यहर तरीका इस्तेमालह्ल करने की धमकी दे रह हैं. मजेदार बात ये है कि ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने के बाद अब मुनीर को इतना कॉन्फिडेंस आ कहां से रहा है? कहीं इसके पीछे यूक्रेन का वो कांड तो नहीं है, जिसे भारत ने कुछ महीनों पहले नाकाम कर दिया था. भारत की सीमा पर अपने करीब 600 ड्रोन गंवाने के बाद अब रिपोर्ट्स हैं कि यूक्रेन, पाकिस्तानी मिलिट्री को ट्रेन कर रहा है. अब सवाल ये है कि यूक्रेन आखिर मुनीर सेना को आखिर ऐसा क्या सिखा रहा?

पिछले साल पाकिस्तानी सेना ने भारत के खिलाफ अब तक की सबसे

बड़ी और आधुनिक साजिश रचने की कोशिश की थी. पाकिस्तान ने भारतीय सीमाओं के भीतर महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाने के लिए एक साथ करीब 600 ड्रोन्स का इस्तेमाल करने का प्लान बनाया था लेकिन पाकिस्तानी सेना का ये पूरा ड्रोन ऑपरेशन एक बहुत बड़ा फेलियर साबित हुआ.

पाकिस्तानी सेना के ज्यादातर ड्रोन या तो भारतीय सेना ने सीमा पर ही मार गिराए या फिर वे तकनीकी कमियों की वजह से खुद ही क्रैश हो गए. हालांकि, कुछ ड्रोन्स का मलबा रिहायशी इलाकों में गिरने से आम नागरिकों को थोड़ा नुकसान जरूर पहुंचा, लेकिन कुल मिलाकर भारत ने पाकिस्तान के इस ह्यमेगा ड्रोन प्लानह्ल को पूरी तरह मटियामेट कर दिया. इस करारी हार ने पाकिस्तानी सेना को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि उनकी मौजूदा तकनीक भारत के सामने बेहद कमजोर है.

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिली हार और बार-बार फेल हुई भारत के खिलाफ साजिशों के बाद कमजोरी को छिपाने और आधुनिक ड्रोन वॉरफेयर सीखने के लिए पाकिस्तान ने अपने पुराने सहयोगी देश यूक्रेन का रुख किया. यूक्रेन पिछले कई सालों से रूस के खिलाफ एक बेहद भीषण और हाई-टेक युद्ध लड़ रहा है, जिसमें ड्रोन तकनीक का सबसे ज्यादा इस्तेमाल हुआ है.

यूक्रेन, पाकिस्तान को क्या सिखा रहा?

लगातार चल रही इस जंग ने यूक्रेन को ड्रोन ऑपरेशन्स, कामिकेज ड्रोन्स और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर में दुनिया का सबसे अनुभवी और ह्यबैटल-हार्डन्डह्ल देश बना दिया है. अब यूक्रेन अपने इसी युद्ध के कड़वे अनुभव और महारत को एक ह्यकमर्शियल एसेटह्ल यानी पैसे कमाने के साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहा है. पाकिस्तान इस ड्रोन ट्रेनिंग एक संजीवनी बूटी मान रहा है, जिससे वो भारत के हाथों मिली शिकस्त का बदला लेने का सपना देख रहा है और यही वजह है कि जनरल मुनीर का कॉन्फिडेंस अचानक सातवें आसमान पर नजर आ रहा है.

यूक्रेन ने पहले भी दिया है क्ल्लि को धोखा

इतिहास देखें तो सोवियत संघ से अलग होने के बाद स्वतंत्र देश बने यूक्रेन ने कई मौकों पर संयुक्त राष्ट्र (वठ) में भारत के खिलाफ रुख अपनाया था. चाहे भारत का परमाणु परीक्षण हो या फिर कश्मीर में संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप की मांग, यूक्रेन के पुराने फैसले भारत के पक्ष में नहीं थे.

हालांकि, बाद के सालों में यूक्रेन की आधिकारिक नीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला. यूक्रेन ने हमेशा ये माना है कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा पूरी तरह से भारत और पाकिस्तान के बीच का एक द्विपक्षीय मामला है, जिसे दोनों देशों को 1972 के शिमला समझौते के तहत आपस में बैठकर सुलझाना चाहिए. यूक्रेन का यह रुख भारत की उस नीति के बिल्कुल अनुकूल है, जिसके तहत नई दिल्ली किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता या कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण का कड़ा विरोध करती है

'चीनी सेना 60 किमी भारत में घुस आई' ? क्या है सच्चाई जानिए, सरकार का आ गया जवाब

(जीएनएस)।

खबर आई कि चीनी सेना भारत की सीमा के भीतर 60 किलोमीटर तक घुस आई है. अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबांसरी जिले के तक्सिंग क्षेत्र में चीनी सेना 60 किलोमीटर अंदर घुसने और नए कैंप बनाने की खबरें सामने आई थीं. दावा इतना गंभीर है कि स्वाभाविक तौर पर लोगों के बीच चिंता और सवाल पैदा हो रहे हैं, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा हुआ है? सरकार ने इस दावे पर स्थिति साफ कर दी है. इस वायरल दावे को पूरी तरह फर्जी बताया है. सोशल मीडिया पर साझा किए जा रहे वीडियो का भारत-चीन सीमा से कोई संबंध नहीं है. यानी जिस वीडियो को सीमा पर चीनी सेना की घुसपैठ बताकर फैलाया जा रहा है, वह भ्रामक है और गलत दावे के साथ प्रसारित किया जा रहा है.

PIB Fact Check ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, "यह दावा फर्जी है. सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे वीडियो भारत-चीन सीमा के नहीं हैं और इनका इस दावे से कोई संबंध नहीं है."

भारत-चीन सीमा से जुड़ी खबरें हमेशा संवेदनशील मानी जाती हैं. ऐसे में किसी भी अपुष्ट वीडियो या संदेश के वायरल होने से भ्रम फैल सकता है. यही वजह है कि सरकार ने लोगों से अपील की है कि सीमा सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर केवल आधिकारिक और सत्यापित स्रोतों से मिली जानकारी पर ही भरोसा करें.

फर्जी दावों के साथ वायरल होने वाले वीडियो और पोस्ट अक्सर पुराने, दूसरे देशों के या किसी अलग घटना के होते हैं, जिन्हें नए संदर्भ में पेश कर दिया जाता है. इससे न केवल लोगों में भ्रम पैदा होता है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर गलत सूचना भी तेजी से फैलती है.

असली खबर क्या थी?

पिछले दिनों अरुणाचल प्रदेश से लगी भारत-तिब्बत सीमा पर चीन की ओर से नई सड़क बनाए जाने का खुलासा ताजा सैटेलाइट तस्वीरों में हुआ था. यह सड़क उस विवादित क्षेत्र में दो बस्तियों को जोड़ती है, जो 1959 से चीन के नियंत्रण में है और वर्तमान में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के पार स्थित है. नई सड़क 2021 में बसाए गए एक गांव को 2026 में विकसित की गई नई बस्ती से जोड़ती है. इन बस्तियों में हेलिपैड और सीमेंट प्लांट जैसी दोहरे उपयोग (डुअल-यूज) वाली सुविधाएं भी दिखाई देती हैं.

भारत सरकार ने हालिया चीनी घुसपैठ के दावों को खारिज किया है. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और भारतीय सेना का कहना है कि इस क्षेत्र में सीमा का औपचारिक निर्धारण नहीं हुआ है, इसलिए दोनों देशों की छअउ को लेकर अलग-अलग धारणा है. रिजिजू के मुताबिक, ऐसी स्थिति में दोनों पक्षों की गश्त कभी-कभी एक-दूसरे के दावे वाले क्षेत्रों तक पहुंच जाती है, जिसे 'ट्रांसग्रेशन' कहा जाता है, न कि घुसपैठ.

विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा पर चीन का तेजी से बढ़ता बुनियादी ढांचा भारत के लिए रणनीतिक चुनौती है. इसी के जवाब में भारत भी अरुणाचल प्रदेश में सड़क, सुरंग और अन्य सीमा अवसंरचना परियोजनाओं गणित चल रहा होगा. वो मौके की को तेजी से आगे बढ़ा रहा है.

क्या कहता है PIB Fact Check?

कई बार सही खबर को भी अलग कॉन्टेक्स्ट में पेश कर दिया जाता है और फर्जी धारणाएं बना ली जाती है. अगर आपके सामने भी ऐसा कोई संदिग्ध वीडियो, फोटो या दावा आता है, तो उसे बिना जांचे-परखे आगे साझा करने से बचें. पहले उसके स्रोत की पुष्टि करें और देखें कि क्या किसी आधिकारिक एजेंसी ने उस पर जानकारी जारी की है. गलत जानकारी को आगे बढ़ाना अनजाने में अफवाहों को बढ़ावा दे सकता है.

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर की हुई शादी, दूल्हे राजा रोहन ठक्कर के साथ वेडिंग फोटो

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के फेमस कपूर परिवार में एक बार फिर शहनाइयों की गूंज सुनाई दी है। फिल्ममेकर बोनी कपूर की बेटी और एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ शादी कर ली है। दोनों की शादी की पहली झलक सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया है। दूल्हा-दुल्हन के रूप में अंशुला और रोहन की जोड़ी ने फैंस का दिल जीत लिया है।

शादी की तस्वीरों में दिखी खास केमिस्ट्री

सामने आई तस्वीरों और वीडियोज में अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर बेहद खुश नजर आ रहे हैं। शादी के हर पल में दोनों के चेहरे पर नई जिंदगी की शुरूआत की चमक साफ दिखाई दे रही है। फेरे लेते वक्त भी अंशुला कपूर की मुस्कान कैमरे में कैद हुई थी, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में दोनों की बॉन्डिंग और खुशी साफ झलक रही है। फैंस भी इस जोड़ी को

'मेड फॉर इच अदर' बता रहे हैं और उन्हें नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

दुल्हन के लुक में छा गईं अंशुला कपूर

अपने खास दिन के लिए अंशुला कपूर ने पारंपरिक अंदाज को चुना था। उन्होंने खूबसूरत और भारी कढ़ाई वाला लहंगा पहना था, जिसने उनके ब्राइडल लुक को बेहद आकर्षक बना दिया था। मांग टीका, स्टेटमेंट नेकलेस और लाल दुपट्टे के साथ उन्होंने अपने लुक को पूरा किया था। वहीं दूल्हे राजा रोहन ठक्कर भी किसी से कम नहीं लगे। उन्होंने हरे रंग की शेरवानी पहनकर शाही अंदाज में एंट्री की थी। दोनों की जोड़ी ने शादी समारोह की रौनक और बढ़ा दी थी।

अनिल कपूर समेत परिवार के कई सदस्य बने गवाह

-शादी समारोह में कपूर परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त मौजूद रहे। वायरल वीडियोज में एक्टर अनिल कपूर भी मेहमानों के साथ बातचीत करते नजर आए। सफेद शेरवानी में उनका अंदाज हमेशा की तरह आकर्षक दिखा।

-परिवार के बीच आयोजित इस समारोह में खुशियों का माहौल देखने को मिला। आपको बता दें कि इस शादी को बेहद निजी रखा गया था लेकिन इसकी झलकियां सोशल मीडिया पर आते ही चर्चा का विषय बन गईं।

कपूर परिवार की खास कहानी

-जानकारी के अनुसार अंशुला कपूर फिल्म मेकर बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी मोना शौरी कपूर की बेटी हैं। अर्जुन कपूर उनके बड़े भाई हैं। मोना शौरी के निधन के बाद परिवार ने कई उतार-चढ़ाव देखे। बाद में बोनी कपूर ने एक्ट्रेस श्रीदेवी से शादी कर ली थी, जिनसे उनकी दो बेटियां, जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर हैं।

-समय के साथ परिवार के रिश्तों में भी गहराई आई। श्रीदेवी के निधन के बाद अर्जुन कपूर और अंशुला कपूर का रिश्ता जाह्नवी और खुशी के साथ और मजबूत होता गया। आज चारों भाई-बहनों के बीच खास बॉन्डिंग देखने को मिलती है।

मेहंदी और चूड़ा सेरेमनी बनी चर्चा का केंद्र

शादी से पहले अंशुला कपूर की मेहंदी और चूड़ा सेरेमनी की तस्वीरें और वीडियोज भी खूब वायरल हुए थे। बताया जा रहा है कि जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने मिलकर अंशुला के लिए एक खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसने इस समारोह को और भी यादगार बना दिया था। मेहंदी समारोह में अंशुला नीले रंग की खूबसूरत ड्रेस में नजर आई थीं जबकि चूड़ा सेरेमनी के दौरान उन्होंने हरे रंग का पारंपरिक परिधान चुना था। दोनों ही लुक्स को फैंस ने काफी पसंद किया है।

स्टार्स से सजा शादी का जश्न

-अंशुला और रोहन की प्री-वेडिंग रस्मों में बॉलीवुड के कई जाने-माने चेहरे भी शामिल हुए थे। करिश्मा कपूर, नीतू कपूर और वरुण धवन समेत कई सितारे इस खास मौके का हिस्सा बने थे। परिवार और दोस्तों की मौजूदगी ने इस शादी को और भी यादगार बना दिया है।

-अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की शादी कपूर परिवार के लिए एक बेहद खास और भावुक पल रही। शादी की खूबसूरत तस्वीरों और वीडियोज ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। फैंस इस नई जोड़ी को ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनकी खुशहाल शादीशुदा जिंदगी की कामना कर रहे हैं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ के कई प्राइवेट पीजी और हॉस्टल बन गए हैं मनमानी का अड्डा

पढ़ाई और करियर के सपनों संग हर साल हजारों यंगस्टर्स राजधानी आते हैं। उनका पहला स्ट्रगल पीजी, हॉस्टल या रेंटल रूम ढूंढना होता है। बाहर से सुविधाओं और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाले कई प्राइवेट पीजी और हॉस्टल अंदर से मनमानी का अड्डा बने हुए हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊ । पढ़ाई और करियर के सपनों संग हर साल हजारों यंगस्टर्स राजधानी आते हैं। उनका पहला स्ट्रगल पीजी, हॉस्टल या रेंटल रूम ढूंढना होता है। बाहर से सुविधाओं और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाले कई प्राइवेट पीजी और हॉस्टल अंदर से मनमानी का अड्डा बने हुए हैं

इन पीजी, हॉस्टल या रेंटल रूम में बिना एग्रीमेंट के स्टूडेंट्स को रखा जाता है, फिर अचानक किराया बढ़ा दिया जाता है। सिक्योरिटी मनी महीनों तक रोक ली जाती है और मेंटेनेंस के नाम पर पैसे काट लिए जाते हैं। नियम हर दिन बदलते हैं और सवाल पूछने पर मेंटल प्रेशर बनाया जाता है। सबसे ज्यादा निशाने पर वे यंगस्टर्स रहते हैं जो नए शहर में अकेले और मजबूर होते हैं।

लखनऊ में सीतापुर, बलिया, गोंडा, प्रतापगढ़, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी जैसे जिलों से बच्चे पढ़ने आते हैं और पीजी, हॉस्टल में रहते हैं। शहर भर में करीब 8 ऐसे हॉटस्पॉट्स हैं जहां पर प्राइवेट पीजी और हॉस्टल्स का मकड़जाल फैला हुआ है। इन 8 जगहों पर ही 1000 से ज्यादा प्राइवेट पीजी और हॉस्टल चल रहे हैं। इनकी फीस 6000 रुपए से लेकर 20,000 रुपए तक है और स्टूडेंट के बजट के हिसाब से सुविधाओं का लालच देकर ओनर्स पेरेंट्स को लूटते हैं।

राजधानी में स्टूडेंट्स के लिए

सरकारी हॉस्टल कम हैं। वर्किंग वीमेन्स के लिए हॉस्टल्स बनाए जा रहे हैं। इनका फायदा प्राइवेट हॉस्टल्स और पीजी चलाने वाले उठा रहे हैं। इनका रेट भी किराएदार के प्रोफेशन के हिसाब से रहता है। स्टूडेंट्स के लिए रेंट अलग है, वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए अलग और जॉब के हिसाब से रेंट बदलता रहता है।

पैसा तो कैश में चाहिए

पीजी ओनर हो या हॉस्टल मालिक, स्टूडेंट्स या प्रोफेशनल्स को रखते टाइम उनका पहला एजेंडा पैसा होता है और बैकग्राउंड के हिसाब से वे हर किसी से अलग-अलग चार्ज करते हैं। सबसे शॉकिंग बात है कि ओनर पैसा कैश मे मांगते हैं क्योंकि ऑनलाइन पैसे पे करने पर प्रूफ रहता है कि पर्सन ने कितना पैसा दिया है, लेकिन कैश में ओनर अपने हिसाब से पैसे ले लेता है।

दो माह की सिक्योरिटी मनी

जिसमें रेंट के अलावा 1-2 महीने की सिक्योरिटी मनी भी शामिल रहती है। अगर गर्ल्स पीजी का मंथली रेंट 12 हजार है तो कम से कम 1 महीने की सिक्योरिटी भी जमा करनी होती है, जिसमें टेनेंट को 24,000 रुपए कैश में पहले देने होंगे।

हड़प लेते हैं सिक्योरिटी मनी

अलीगंज में ब्वॉयज हॉस्टल में रहने वाले हर्षित ने बताया कि पीजी में शिफ्टिंग के टाइम रेंट और सिक्योरिटी मिलाकर मैंने 16,000 रुपए दिए थे। जिसमें 8 हजार रेंट और 8 हजार सिक्योरिटी मनी थी। सात महीने रहने के बाद जब मैंने पीजी चेंज किया तो ओनर ने पहले तो सिक्योरिटी मनी वापस करने से मना कर दिया। जब मैंने कई लोगों से उनकी बात करवाई तब जाकर उन्होंने 5,000 रुपए वापस किए और 3,000 अपने पास यह कहते हुए रख लिए कि उन्हें मेंटिनेंस कराना पड़ेगा, जिसमें खर्चा होता है।

1-हमने जब अपार्टमेंट लिया था तो एक साल का अग्रीमेंट था। जिसमें शेयरिंग की कोई शर्त नहीं थी, लेकिन ओनर ने बीच में ही एक शर्त रख दी कि दो से ज्यादा लोग शेयरिंग में नहीं रहेंगे जबकि स्पेस भी है।

-शिवि

2-हॉस्टल में रहने के टाइम स्टार्टिंग में तो ओनर कहते हैं कि सारी फैसिलिटीज मिलेंगी, लेकिन अब न तो लाइट प्रॉपर आती है न ही बाकी फैसिलिटीज हैं। बस पैसा लिया जा रहा है।

-हर्ष श्रीवास्तव

3-दूसरे शहर में पीजी, हॉस्टल में रहना आसान नहीं है। फ्रीडम नहीं मिलती है और हॉस्टल के अकॉर्डिंग ही शेड्यूल बनाना पड़ता है। सीमित सुविधाओं और घर से दूर रहने पर इमोशनल सपोर्ट भी कम मिलता है।

-इनीशिका शर्मा

4-हॉस्टल में रेंट के साथ सिक्योरिटी मनी जमा करनी होती है। जब हॉस्टल खाली करो तो ओनर सिक्योरिटी मनी वापस करने में आनाकानी करते हैं। अच्छा खासा अमाउंट काटकर ही वापस करते हैं।

- नवनीत श्रीवास्तव

'विकसित भारत कॉन्क्लेव' में शिशिर बजाज को मिला 'महाराष्ट्र का गौरव' का प्रतिष्ठित सम्मान

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अन्य अति विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी में इंडस्ट्री, सर्विस और सोशल ट्रांसफॉर्मेशन में बजाज समूह के 100 वर्षीय योगदान का हुआ सम्मान

मुंबई, 7 जुलाई। देश की राजधानी नई दिल्ली के हयात रीजेंसी में हुए एक भव्य समारोह में, बहुचर्चित कॉफी टेबल बुक ह्यमहाराष्ट्र के गौरवह्ण का विमोचन सम्पन्न हुआ। इस मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्री नितिन गडकरी, अन्य सीनियर कैबिनेट मंत्री, पॉलिसी बनाने वाले इंडस्ट्रियल लीडर और देश भर से आये खास मेहमान मौजूद थे। इस स्पेशल एडिशन में शामिल जानी-मानी हस्तियों में बजाज ग्रुप के चेयरमैन एमेरिटस और बजाज फाउंडेशन के अध्यक्ष शिशिर बजाज भी शामिल हैं। उनके जीवन और योगदान को नौ पृष्ठों के एक विशेष फीचर में दशार्या गया है। इसमें बजाज समूह के फाउंडर, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, इंडस्ट्रियल पायनियर और महात्मा गांधी द्वारा दत्तक लिये गये पाँचवें बेटे श्री जमनालाल बजाज के विजन को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका पर रोशनी डाली गई है।

बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन शिशिर बजाज, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल से महाराष्ट्र के गौरव का प्रतिष्ठित सम्मान ग्रहण करते हुए। दूसरे फोटो में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा कॉफी टेबल बुक के विमोचन का दृश्य और तीसरे चित्र में श्री शिशिर बजाज, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अन्य अतिथियों से बातचीत करते हुए।

इस गरिमापूर्ण समारोह में, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा श्री शिशिर बजाज को भारतीय इंडस्ट्री, खासकर चीनी और इथेनॉल सेक्टर में उनके शानदार योगदान और ग्रामीण विकास और सामाजिक बदलाव के लिए उनकी ज़िंदगी भर की लगन के लिए "महाराष्ट्र का गौरव" के प्रतिष्ठित अलंकरण से सम्मानित किया गया। यह पहचान एक ऐतिहासिक मौके पर मिली है, जब बजाज परिवार अपनी एंटरप्राइज, राष्ट्र निर्माण और जन सेवा की हमेशा रहने वाली विरासत के 100 साल पूरे कर रहा है। राष्ट्र पहले, आत्म निर्भरता और सामाजिक ज़िम्मेदारी के सिद्धांतों पर बनी बजाज समूह की विरासत भारत की बदलती जरूरतों के साथ लगातार बदली है। जहाँ श्री जमनालाल बजाज ने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया और स्वदेशी एंटरप्राइज की नींव रखी, वहीं उनकी अगली पीढ़ियों ने उन आदर्शों को ऐसे संस्थानों में बदल दिया, जो पूरे देश में आर्थिक और सामाजिक मूल्यों की स्थापना निरंतर जारी रखे हुए हैं। श्री शिशिर बजाज की लीडरशिप में, बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड चीनी और इथेनॉल प्रोड्यूसर में से एक बनकर उभरी, जिसने देश के बायोफ्यूल इकोसिस्टम को मजबूत करने और भारत के एनर्जी सिक्योरिटी लक्ष्यों को सपोर्ट करने में अहम भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल के दौरान, कम्पनी दो चीनी मिलों से बढ़कर चौदह चीनी मिलों और एक डिस्टिलरी से छह डिस्टिलरी तक पहुँच गई, जिससे यह भारत की चीनी और इथेनॉल इंडस्ट्री में एक लीडिंग ताकत बन गई। श्री शिशिर बजाज ने ग्रुप के बिजनेस इंटरेस्ट को चीनी और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स से आगे एनर्जी सेक्टर में डायवर्सिफाई करने में भी अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में, उनके बड़े सुपुत्र और बजाज ग्रुप के चेयरमैन श्री कुशाग्र बजाज की लीडरशिप में, बजाज ग्रुप चीनी, इथेनॉल, कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और पावर जेनरेशन में अपने इंटरेस्ट के जरिये इस मजबूत नींव पर उल्लेखनीय काम कर रहा है। बजाज एनर्जी लिमिटेड और ललितपुर पावर जेनरेशन कम्पनी लिमिटेड के जरिये, बजाज ग्रुप ने 2430 टह की थर्मल पावर जेनरेशन कैपेसिटी के साथ भारत के पावर सेक्टर में एक अहम मौजूदगी बनाई है और उत्तर प्रदेश की बिजली की जरूरतों में यह समूह महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। भारत की लम्बे समय की एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करने के अपने कमिटमेंट को जारी रखते हुए, बजाज ग्रुप कुशल, सस्टेनेबल और स्ट्रेटेजिक एनर्जी सॉल्यूशंस के जरिए देश के भविष्य में योगदान देने के लिए टेक्नोलॉजी की निरंतर खोज कर रहा है। कॉफी टेबल बुक के विशेष फीचर में बजाज फाउंडेशन और श्री शिशिर बजाज की देखरेख में जुड़े ट्रस्टों के जरिये हुए शानदार सामाजिक प्रभाव को भी बखूबी दशार्या गया है। वर्धा (महाराष्ट्र), सीकर (राजस्थान) और ललितपुर (उत्तर प्रदेश) में, पानी बचाने, नदियों को फिर से ज़िंदा करने, नेचरल खेती, महिलाओं को मजबूत बनाने, रिन्यूएबल एनर्जी, स्किल डेवलपमेंट और गाँवों में रोजगार के लिए फाउंडेशन की उल्लेखनीय कोशिशों ने 2,000 से ज्यादा गाँवों में 22 लाख से ज्यादा लोगों की ज़िंदगी पर अच्छा असर डाला है। इस विशेष में श्री शिशिर बजाज के छोटे सुपुत्र श्री अपूर्व नयन बजाज के योगदान को भी दिखाया गया है, जिन्होंने जमीनी स्तर पर विकास की कोशिशों के जरिये परिवार के जन-हितकारी कामों को आगे बढ़ाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। विशेष फीचर में बजाज परिवार की पाँचवीं पीढ़ी के उभरने के बारे में भी बताया गया है, जिसे सुश्री आनंदमयी बजाज रिप्रेजेंट करती हैं। उन्होंने हाल ही में ग्रुप में जनरल मैनेजर झ्र ग्रुप स्ट्रैटेजी के तौर पर अपना दायित्व ग्रहण किया है और ज़िम्मेदार लीडरशिप के लिए परिवार के सदियों पुराने कमिटमेंट को आगे बढ़ा रही हैं। हाल ही में, श्री शिशिर बजाज को इंडस्ट्री, ग्रामीण विकास और सामाजिक -आर्थिक बदलाव में उनके योगदान के लिए महाराष्ट्र के माननीय गवर्नर द्वारा प्रतिष्ठित सर्वोत्तम नागरिक सम्मान भी दिया गया था। कॉन्क्लेव में जानी-मानी हस्तियों ने बजाज परिवार की इंडस्ट्रियल एक्सीलेंस को सोशल कमिटमेंट के साथ जोड़ने की अनोखी काबिलियत को माना, जिससे यह भारत के सबसे सम्मानित बिजनेस परिवारों में से एक बन गया है। जैसे- जैसे भारत विकसित भारत- 2047 के विजन की ओर बढ़ रहा है, श्री शिशिर बजाज और बजाज परिवार की कहानी इस बात का एक मजबूत उदाहरण है कि कैसे एंटरप्राइज, सोशल ज़िम्मेदारी और राष्ट्रीय मकसद मिलकर लम्बे समय तक चलने वाला असर डाल सकते हैं। श्री शिशिर बजाज और बजाज परिवार पर पूरे 9 पृष्ठों का फीचर इस लिंक के जरिये पढ़ा जा सकता है :- PDF लिंक: https:// bajajgroup.org/ bajajgroup_assets/ s3fs-public/documents/ Navabharat_ Articles.pdf

बिहार से दिल्ली तक एनआईए की ताबड़तोड़ छापेमारी, कंबोडिया नौकरी रैकेट पर एक्शन

(जीएनएस)।

कंबोडिया में भारतीय युवाओं को नौकरी का झांसा देकर फंसाने वाले मानव तस्करी और साइबर गुलामी रैकेट के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में कुल छह ठिकानों पर छापेमारी की। बिहार के गोपालगंज, सीवान, सारण और पूर्वी चंपारण में भी तलाशी ली गई।

इस दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप, डिजिटल उपकरण और कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए। जांच में सामने आया है कि युवाओं को अच्छी नौकरी का लालच देकर कंबोडिया भेजा जाता था, जहां उन्हें जबरन ऑनलाइन ठगी करने वाली कंपनियों में काम कराया जाता था।

बिहार समेत तीन राज्यों में NIA की छापेमारी

NIA ने इस मामले में बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के छह अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। बिहार के गोपालगंज, सीवान, सारण और पूर्वी चंपारण जिले कार्रवाई के केंद्र रहे। जांच एजेंसी ने बताया कि ये ठिकाने गिरफ्तार आरोपियों और फरार लोगों के सहयोगियों से जुड़े थे। तलाशी के दौरान कई मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं। इनके जरिए एजेंसी पूरे नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

नौकरी का झांसा देकर युवाओं को भेजा जाता था कंबोडिया

जांच में पता चला है कि गिरोह भारत के बेरोजगार और जरूरतमंद युवाओं को विदेश में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी का लालच देता था। इसके लिए अलग-अलग राज्यों में एजेंट और ट्रैवल एजेंटों का इस्तेमाल किया जाता था। जब युवक कंबोडिया पहुंचते थे, तो उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते थे और उन्हें ऐसी कंपनियों के हवाले कर दिया जाता था जो ऑनलाइन ठगी का काम करती थीं। इस तरह युवाओं को धोखे से साइबर अपराध के जाल में फंसा दिया जाता था।

मना करने पर दी जाती थी अमानवीय यातना

पीड़ितों ने ठक्अ को बताया कि कंबोडिया पहुंचने के बाद उन्हें जबरन साइबर फ्रॉड करने के लिए मजबूर किया जाता था। यदि कोई काम करने से इनकार करता था तो उसके साथ मानसिक और शारीरिक अत्याचार किया जाता था। कई लोगों को बिजली के झटके दिए गए, कमरे में बंद रखा गया और खाना-पानी तक नहीं दिया गया। पीड़ितों के मुताबिक उन्हें लगातार डराकर रखा जाता था ताकि वे भाग न सकें और मजबूरी में गिरोह के लिए काम करते रहें।

मास्टरमाइंड आनंद कुमार सिंह अब भी फरार

इस पूरे गिरोह का मुख्य आरोपी आनंद कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह बताया गया है, जो अभी भी फरार है। ठक्अ ने मई 2026 में उसके साथ प्रह्लाद कुमार सिंह, अभय नाथ दुबे, अभिरंजन कुमार और रोहित यादव के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इससे पहले फरवरी 2026 में अभय, अभिरंजन और रोहित को कंबोडिया से लौटने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी NIA

NIA अब इस मानव तस्करी और साइबर अपराध से जुड़े पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। जब्त किए गए मोबाइल, लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच की जाएगी ताकि देश और विदेश में फैले इस गिरोह के बाकी सदस्यों की पहचान हो सके। एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि अब तक कितने भारतीय युवाओं को इस तरीके से कंबोडिया भेजा गया और इस रैकेट में कौन-कौन लोग शामिल थे। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे भी जारी रहेगी।

भारत आ रहे गैस टैंकर पर होर्मुज में भयंकर ड्रोन अटैक, 29 क्रू मेंबर थे सवार

(जीएनएस)।

भारत आ रहे एलएनजी जहाज पर संदिग्ध ड्रोन हमले की खबर ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। 7 जुलाई 2026 को ओमान की खाड़ी में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास अछ फ्ए्ङअ अळ नामक एलएनजी कैरियर कथित तौर पर ड्रोन हमले का शिकार हुआ। शुरूआती जानकारी के अनुसार हमले के बाद जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और भारी धुआं फैल गया। हालांकि

चालक दल ने समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया।

राहत की बात यह है कि जहाज पर सवार सभी 29 क्रू सदस्य, जिनमें चार भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं। यह जहाज कतर के रास लाफान से गुजरात के दहेज बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास हुआ संदिग्ध हमला

यह घटना ओमान की खाड़ी में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के निकट हुई, जो दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है। इसी रास्ते से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और एलएनजी की वैश्विक आपूर्ति होती है। ऐसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्र में किसी भी तरह के ड्रोन हमले की आशंका अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मानी जा रही है। फिलहाल संबंधित एजेंसियां घटना की परिस्थितियों और हमले के कारणों की जांच कर रही हैं।

इंजन रूम में लगी आग, लेकिन सभी चालक दल सुरक्षित

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध ड्रोन के टकराने के बाद जहाज के इंजन रूम में आग लग गई, जिससे भारी धुआं उठने लगा। चालक दल ने तुरंत आपातकालीन सुरक्षा प्रक्रियाएं लागू कीं और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में किसी भी चालक दल के सदस्य को चोट नहीं आई। जहाज पर मौजूद सभी 29 नाविक सुरक्षित हैं, जिनमें चार भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। पर्यावरण को किसी प्रकार के नुकसान की भी फिलहाल कोई सूचना नहीं मिली है।

कतर से गुजरात के दहेज आ रहा था एलएनजी जहाज

एलएनजी कैरियर अछ फ्ए्ङअ अळ कतर के प्रमुख गैस निर्यात केंद्र रास लाफान से तरलीकृत प्राकृतिक गैस लेकर भारत के गुजरात स्थित दहेज बंदरगाह की ओर जा रहा था। घटना के बावजूद जहाज ने अपनी यात्रा जारी रखी है और उसे दहेज पहुंचने के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। भारत के लिए एलएनजी की आपूर्ति ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसलिए इस जहाज से जुड़ी घटना पर भारतीय एजेंसियां भी लगातार नजर बनाए हुए हैं।

टूटने वाला है नेटो? अंकारा समिट में खींचतान, क्या है ट्रंप का अल्टीमेटम जिससे बढ़े मतभेद?

(जीएनएस)।

तुर्किए की राजधानी अंकारा में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन एक ऐसे मोड़ पर शुरू हुआ है, जहां पूरे यूरोप की सुरक्षा और भू-राजनीति दांव पर लगी है। यह हाई-प्रोफाइल बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से सदस्य देशों पर रक्षा बजट बढ़ाने के अभूतपूर्व दबाव के बीच हो रही है। दूसरी तरफ, अमेरिकी तेवरों से चिंतित यूरोपीय देश नए सैन्य समझौतों की घोषणा कर ट्रंप को शांत करने की रणनीति बना रहे हें। कहा ये भी जा रहा है कि ट्रंप के दबाव के चलते ये संगठन अपना भरोसा और मजबूती खोता जा रहा है।

इस कूटनीतिक रस्साकशी का बैकग्राउंड पिछले साल हेग में तैयार हुआ था, जहां नाटो देशों ने अपनी GDP का 5 प्रतिशत डिफेंस और सिक्योरिटी पर खर्च करने का टारगेट रखा था। इस मास्टर प्लान के तहत साल 2035 तक मूल रक्षा बजट को 3.5% और सुरक्षा आवश्यकताओं को 1.5% तक पहुंचाना है। अंकारा में इस समय इसी कड़े रोड़मैप को जमीन पर उतारने को लेकर माथापच्ची चल रही है।

गैर NATO देशों की ज्यादा बड़ी डिमांड

इस सम्मेलन का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि इसमें नाटो के सभी 32 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के अलावा कई गैर-आधिकारिक देशों के प्रभावशाली नेता भी पहुंचे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा है। इनके साथ ही ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों के रक्षा और विदेश मंत्री भी अंकारा में डेरा डाले हुए हं। जेलेंस्की इस मंच का इस्तेमाल सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम (ढ३१ङ्ग३ अ१ ऊील्लश् र८२३ी२) की मांग के लिए करने जा रहे हैं। कीव में हाल ही में हुए रूसी ड्रोन हमलों में 11 नागरिकों की मौत के बाद यूक्रेन का डिफेंस सिस्टम गहरे दबाव में है।

सीरियाई राष्ट्रपति- अंकारा में हैं पर समिट में नहीं

इसी बीच, सीरिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अहमद अल-शरा भी अंकारा पहुंचे हैं। हालांकि वे आधिकारिक तौर पर समिट का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन राजनयिक गलियारों में चर्चा है कि ट्रंप के साथ होने वाली उनकी द्विपक्षीय मुलाकात पश्चिम एशिया के समीकरण बदल सकती हे।

ट्रंप का 'नो फ्री राइड' अल्टीमेटम और तुर्किए का नया रसूख

डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल से ही नाटो के अस्तित्व और उसमें अमेरिका के भारी वित्तीय योगदान पर सवाल उठाते रहे हैं।

उनका तर्क है कि अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे पर यूरोपीय देश "मुफ्त की सुरक्षा" का आनंद ले रहे हैं। ट्रंप ने जर्मनी के मौजूदा रक्षा बजट को 'हास्यास्पद' तक करार दिया, जिस पर जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने भी बेहद कड़ा रूख अपनाया है।

एक दिलचस्प कूटनीतिक पहलू: ट्रंप ने संकेत दिया कि अगर उनके विश्वसनीय सहयोगी और तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन इस समिट के होस्ट न होते, तो शायद वे इस बैठक से दूरी बना लेते। हाल के वर्षों में तुर्किए ने न केवल अपने रक्षा बजट को सुधारा है, बलकि वह नाटो के भीतर एक प्रमुख हथियार सप्लाई करने वाले देश बनकर उभरा है। यही वजह है कि यह समिट तुर्किए को पश्चिम और मध्य-पूर्व के बीच एक मजबूत मध्यस्थ के रूप में स्थापित कर रही है।

अमेरिकी सेना की वापसी का डर बनाम जमीनी हकीकत

इस खींचतान के बीच वाशिंगटन ने यूरोपीय देशों पर दबाव दोगुना करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अमेरिका ने यूरोपीय क्षेत्रों से अपने फाइटर जेट्स, नेवल वॉरशिप और सबमरीनों को एक सीक्वेंस में वापस बुलाने का फैसला किया है। जिसको देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि अमेरिकन एयरफोर्स और नेवी की इस आंशिक वापसी से यूरोप का सुरक्षा संतुलन तात्कालिक रूप से डगमगा सकता हे।

हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि बजट को कागज पर बढ़ाना और उसे वास्तविक सैन्य ताकत में तब्दील करना कोई आसान काम नहीं है। यदि यूरोपीय देश आज बड़े पैमाने पर नए रक्षा सौदे करते भी हैं, तो नए हथियारों की डिलीवरी होने और सैनिकों को उनके संचालन की ट्रेनिग देने में कई साल लग जाएंगे। इसलिए, बजट में इस अचानक बढ़ोतरी का ग्राउंड रियलिटी पर तुरंत कोई जादुई असर दिखना मुश्किल है।

टिकेगा या टूटेगा ठअळड?

अंकारा का यह शिखर सम्मेलन भले ही जमीन पर तुरंत कोई बड़ा सैन्य बदलाव न ला पाए, लेकिन इसका राजनीतिक और कूटनीतिक संदेश बेहद गहरा है। रक्षा बजट और खर्चों को लेकर जारी इस तीखी जुबानी जंग के बावजूद, नाटो के सदस्य देश दुनिया के सामने अपनी सामूहिक एकजुटता (वल्लश्ीि ऋ्र्क्ष्ल्ल३) प्रदर्शित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में अंतरराष्ट्रीय मंच पर आपसी दरारों को छिपाकर एकजुट दिखना ही इस पूरी बैठक का तात्कालिक और सबसे बड़ा लक्ष्य है। ऐसे में ये तो नहीं कहा जा सकता कि ठअळड टूट रहा है लेकिन ये जरूर है कि इसमें मौजूद सदस्यों में मतभेद बढ़ रहे हैं।

यूपी में फिर से मानसून एक्टिव: 55 जिलों में भारी बारिश, क्टऊ का वाराणसी-प्रयागराज व लखनऊ में आंधी-तूफान का अलर्ट

मौसम विभाग ने पश्चिमी, मध्य और पूर्वी यूपी के एक दर्जन जिलों में भारी वर्षा व वज्रपात का अलर्ट जारी किया है, गुरुवार से पूरे प्रदेश में

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रदेश में चार-पांच दिनों की सुस्ती के बाद मानसून एक बार फिर सक्रिय होगा। मंगलवार से सूबे में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवा चलने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी, मध्य और पूर्वी प्रदेश के एक दर्जन जिलों के लिए भारी वर्षा व वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार से मानसून का असर प्रदेशभर में दिखेगा और पूरे सप्ताह अच्छी बरसात के संकेत मिल रहे हैं।

इस दौरान हवा की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा हो सकती है। मानसून सक्रिय होने से अधिकतम तापमान में पांच से सात डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है।

पश्चिमी, मध्य और पूर्वी प्रदेश के करीब 12 जिलों के लिए भारी वर्षा के साथ वज्रपात की भी चेतावनी

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल

कुमार सिंह के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में विकसित कम दबाव का क्षेत्र अब अधिक सक्रिय हो गया है। इसके प्रभाव से प्रदेश में नमी बढ़ेगी और मानसूनी हवा को मजबूती मिलेगी। यही वजह है कि मंगलवार से बारिश का दायरा तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश, गरज के साथ बिजली चमकने तथा 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

इन जिलों में अच्छी बारिश की संभावना

बुंदेलखंड और पूर्वांचल के अधिकांश जिलों में अच्छी वर्षा होने की संभावना है। इसका असर प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, झांसी, आगरा, मेरठ, मुरादाबाद, अलीगढ़, गाजियाबाद, नोएडा में भी देखने को मिल सकता है। कुछ जिलों में भारी बारिश के कारण जलभराव और यातायात प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई है।

दिन और रात के पारे में गिरावट आ सकती है

लखनऊ में मंगलवार को दिन का तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस और रात का 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, बुधवार को दिन और रात के पारे में गिरावट दर्ज की जा सकती है। 40 से अधिक जिलों में अधिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस के अंदर बना रहा।

मिजार्पुर व हमीरपुर में खूब बरसे बादल

मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार को मिजार्पुर के चुनार और हमीरपुर में बादल जमकर बरसे। दोनों जिलों में रिकार्ड 120 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई, जबकि 104 मिमी बारिश के साथ लखीमपुर खीरी दूसरे नंबर पर रहा। औरैया में 68.8 मिमी और लखनऊ में 24 मिमी बारिश हुई। मंगलवार और बुधवार को इसमें वृद्धि के आसार हैं।

देश को डिग्री वाले नहीं, समस्या का समाधान करने वाले चाहिए : अरविंदर साहनी

(जीएनएस)।

लखनऊ। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के सीएमडी अरविंदर साहनी का कहना है कि देश को युवा तकनीकी रूप से सक्षम व नेतृत्वकर्ता चाहिए। देश को डिग्री वाले नहीं, समस्या का समाधान करने वाला चाहिए। जॉब लेने वाला नहीं जॉब पैदा करने वाला चाहिए। युवा स्टार्टअप, इंटरप्रेन्योर के क्षेत्र में भी काम करें। हमें तकनीकी के साथ नैतिक नेतृत्वकर्ता की भी जरूरत है।

मंगलवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने छात्र-छात्राओं को सफलता के मूल मंत्र दिए। इस अवसर पर एकेजी इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद की बीटेक की छात्रा अंशिका राणा को चांसलर मेडल और केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गाजियाबाद की बीटेक की छात्रा इशिका को कमल रानी वरुण स्मृति स्वर्ण पदक दिया गया।

कार्यक्रम में छात्रों से अरविंदर साहनी ने कहा कि आज का दिन सिर्फ दीक्षांत समारोह मात्र नहीं है। यह तकनीकी जीवन यात्रा का नया पड़ाव है। आपकी इस यात्रा में सहभागी दोस्त, शिक्षक, माता पिता को भी याद रखें। जिन्होंने आपमें निवेश किया है। वे आपसे बड़ी अपेक्षा करते हैं। आपको देश बड़ी उम्मीद से देख रहा है।

उन्होंने कहा है कि एआई, डाटा साइंस, क्लीन एनर्जी जैसे कई नए और महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जिनमें काम करने के अवसर आपके पास हैं। डिग्री पढ़ाई का अंत नहीं है बल्कि आगे जाने का एक पासपोर्ट है। इसका सही इस्तेमाल करें। यह आपको उड़ने के लिए पंख दिया जा रहा है।

इससे पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व अतिथियों ने सभी मेडल धारकों को मेडल व पीएचडी वालों को पीएचडी अवॉर्ड की। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। इस अवसर पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल, कुलपति प्रो. जेपी पांडेय, प्राविधिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमकेएस सुंदरम, प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार, कुलसचिव रीना सिंह, वित्त अधिकारी केशव सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दीपक नगरिया आदि उपस्थित थे।

छात्रों को दिए तीन सबक

पहला, सोचिए, अप्लाई करिए और समाधान कीजिए। क्योंकि हम क्या जानते हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण है कि हम कितना बेहतर सोचते हैं और समस्या का कितना बेहतर समाधान दे सकते हैं। दूसरा, वर्तमान में क्या और वैल्यू एड कर सकते हैं। अरविंदर साहनी ने मुंबई के ऑटो ड्राइवर का उदाहरण देते हुए कहा कि हर प्रोफेशन में कुछ नया करने की गुंजाइश है। तीसरा, क्षमतावान बनिए, चरित्रवान बनिए और विश्वास पैदा कीजिए। किसी भी सफलता की शुरूआत आइडियल नहीं होती है। अपनी मेहनत, लगन, बड़े सपने देखने से एक न एक दिन सफलता जरूर मिलती है।

ऑपरेशन सिंदूर से होर्मुज समस्या तक निभाया साथ

अरविंदर साहनी ने आईओसी का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड में हमने हर दिन 30 लाख घरों में एलपीजी पहुंचाई। होर्मुज के दौरान पैदा हुई समस्या हो या ऑपरेशन सिंदूर, हम देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए। हम भविष्य के लिए भी तैयार हैं। तकनीकी की असली शक्ति आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने व देश को आगे बढ़ाने में उपयोगी बनाने में है। आपके मां-पिता, दोस्त, शिक्षक ने आपको आगे बढ़ाया है, अब आप और लोगों को आगे बढ़ाने में मदद करें। देश को मजबूत बनाएं।

बेटियों की दोस्त बनें, तभी संभलेंगी बेटियां

दीक्षांत समारोह के बाद राज्यपाल ने छात्राओं व उनकी माताओं के साथ मां-बेटी सम्मेलन भी किया। उन्होंने माताओं को सुझाव दिया कि वे बेटियों से संवाद किया करें। बेटियों को अगर उनके स्वास्थ्य से जुड़ी सही जानकारी नहीं होगी तो दिक्कत होगी। गर्भधारण के दौरान क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए, जानकारी दें। लड़कियों को देखें कि वे किससे बात कर रही है, क्या बात कर रही हैं, तभी वे गलत रास्ते में नहीं जाएगी। घर में मां के रूप में ही आप उनकी दोस्त बनें।

- राज्यपाल की ओर से 62537 छात्रों की डिग्री डिजिलॉकर पर अपलोड की गई।
- 83 छात्रों को 84 पदक दिए। इसमें 35 स्वर्ण, 23 रजत व 24 कांस्य पदक।
- अभिभावकों और प्राचार्य के साथ मेधावियों को राज्यपाल ने दिए पदक।
- गुजरात के रोगन कला कलाकार आशीष कंसारा को डीलिट की मानद उपाधि दी।
- पांच अलग-अलग श्रेणियों में स्टूडेंट स्टार्टअप अवॉर्ड दिया गया।
- राज्यपाल ने गोद लिए गए गांव के बच्चों को सम्मानित किया।
- पांच आंगनबाड़ी केंद्रों को सांकेतिक रूप से किट का वितरण।
- बालगृह बालिका, सिंधीखेड़ा में आरओ प्लांट, चार एसी यूनिट व विवि के गोद लिए दो गांवों में स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन।
- 100 बेटियों का एचपीवी टीकाकरण भी किया गया।

लखनऊ : मदरसे में अनियमितता की जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी गठित, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। बाराबंकी में व्यावसायिक दुकानों की ऊपरी मंजिल पर मदरसा संचालित करने और शिक्षकों की नियुक्तियों में अनियमितता के आरोपों की जांच के लिए अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने दो सदस्यीय जांच समिति गठित की है। जिसे एक पखवारे में रिपोर्ट सौंपनी है।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को भेजी गयी शिकायत में आरोप लगाया गया था कि बाराबंकी नगर पालिका क्षेत्र के पीर बटान में स्थित राज्य अनुदानित मदरसा दारुल उलूम व्यावसायिक दुकानों की ऊपरी मंजिल पर चल रहा है, यह मदरसा

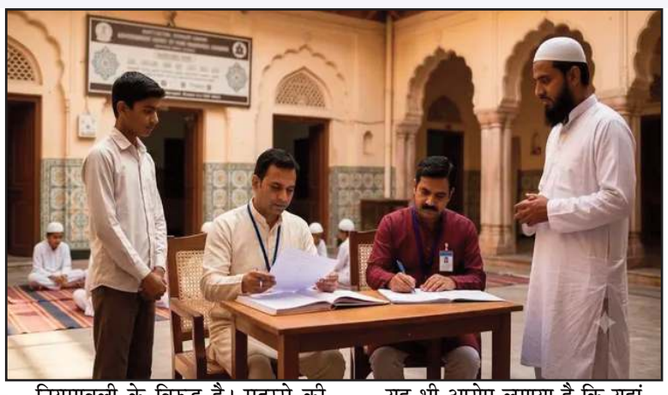

नियमावली के विरुद्ध है। मदरसे की प्रबंध समिति विधिक नहीं है। इस मदरसे में सारे नियमों की नजर अंदाज कर शिक्षकों की नियुक्तियां की गयी हैं।

यह भी आरोप लगाया है कि यहां से राजनीतिक गतिविधियां संचालित होती हैं। इस शिकायत पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निदेशक शीलधर यादव ने आरोपों की जांच के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण स्तर के दो अधिकारियों एसपी आंबेडकर और सोनकुमार की दो सदस्यीय जांच समिति गठित की है। इस समिति को मदरसा जिस स्थान पर चल रहा वहां पर्याप्त स्थान है या नहीं है, उसका नक्शा पास है कि नहीं। इस मदरसे में कब और कितनी नियुक्तियां की गयीं।

इन नियुक्तियों का अनुदान करने वाले जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कौन थे। अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक का कहना है कि आरोपों की जांच के लिए समिति गठित की गयी है। एक पखवारे का समय दिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने पर नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा।

आतंकियों ने आईएसआई को भेजी थीं लखनऊ छावनी की फोटो, एटीएस ने बुलंदशहर से गिरफ्तार टेररिस्टों से उगलवाए राज

लखनऊ। दिल्ली में आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आइएसआइ के शहजाद भट्टी माड्यूल से जुड़े मामलों की जांच तेज कर दी है। इसी सिलसिले में 17 जून को बुलंदशहर से

गिरफ्तार किए मोहम्मद उमर व फैजान से एटीएस की टीम ने मंगलवार को पूछताछ की है। विशेष अदालत ने दोनों आतंकियों से पूछताछ के लिए उन्हें एटीएस को पांच दिन के रिमांड पर सौंपा है।

एटीएस की टीम ने पाकिस्तानी गैंग्सटर शहजाद भट्टी के जरिए आइएसआइ के लिए काम करने के आरोप में 17 जून को बुलंदशहर से उमर व फैजान को गिरफ्तार किया था।

मिले थे कारतूस के वीडियो

इनके मोबाइल से पाकिस्तानी गैंग्सटर के पोस्टर लगाने, अत्याधुनिक हथियार व कारतूस के वीडियो मिले थे। दोनों ने शहजाद भट्टी और आबिद जट के पोस्टर लगाए भी थे।

इन्हें पाकिस्तानी हैंडलर्स द्वारा विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों की रेकी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। स्लीपर सेल के रूप में काम करने वाले दोनों आतंकियों ने लखनऊ छावनी व प्रयागराज के बमरौली एयरफोर्स स्टेशन की रेकी कर उनकी फोटो भी आइएसआइ को उपलब्ध कराई थी। एटीएस की टीम दोनों से यह उगलवाने की कोशिश कर रही हैं कि संवेदनशील स्थलों की रेकी के अलावा उन्हें और क्या-क्या लक्ष्य दिए गए थे।

पीएम मोदी का जींद दौरा, आज तैयारियों का जायजा लेंगे उट नायब; सोनीपत के लिए देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को करेंगे रवाना

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को जींद दौरे की तैयारियों का जायजा लेने आज जींद आएंगे।

(जीएनएस)।

जींद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जुलाई को हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। वहीं, जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जींद आएंगे। वे अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। रैली स्थल और रेलवे जंक्शन का भी दौरा करेंगे।

मंगलवार को प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए विधानसभा डिप्टी स्पीकर डाक्टर कृष्ण मिढ़ा ने कहा कि 17 जुलाई का दिन हरियाणा विशेषकर जींद जिले के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। प्रधानमंत्री देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

करेंगे और हाइड्रोजन गैस प्लांट का शुभारंभ करेंगे।

इस दौरान प्रधानमंत्री भिवानी व नारनौल मेडिकल कालेज का लोकार्पण, कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का शिलान्यास, अंबाला-कालाआंब ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे की आधारशिला, दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे के हरियाणा हिस्से का उद्घाटन, जींद-गोहाना राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-352 डी) व हांसी-बरवाला राष्ट्रीय राजमार्ग का लोकार्पण भी करेंगे।

तैयारियों की समीक्षा करेंगे

इसके अलावा कुरुक्षेत्र के उमरी गांव में ऐतिहासिक एवं भव्य सिख संग्रहालय की आधारशिला भी रखी जाएगी। बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी जींद आकर आयोजन स्थल का निरीक्षण करेंगे और अधिकारियों के साथ बैठक करके तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इस मौके पर भाजपा के जिला प्रधान तेजेंद्र ढुल, हरियाणा सफाई आयोग के उपाध्यक्ष भारत भूषण टांक, मीडिया कोआर्डिनेटर अशोक छाबड़ा भी मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में बनेगा हेलीपैड

डिप्टी स्पीकर ने बताया कि पुलिस लाइन में हेलीपैड बनाया गया है। जहां से प्रधानमंत्री रेलवे जंक्शन पर जाकर हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर सोनीपत के लिए रवाना करेंगे। नए बस स्टैंड के सामने जनसभा होगी। इसमें काफी संख्या में लोग ई-स्कूटी, साइकिल से व पैदल रैली में पहुंचेंगे। पेट्रोल व डीजल की खपत कम हो, इसके लिए लोगों से कम से कम वाहन जनसभा में आने के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया गया है।

जकार्ता कन्वेंशन सेंटर में उमड़ा भारतीय समुदाय, प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन का बेसब्री से इंतजार

(जीएनएस)।

जकार्ता कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय समुदाय को संबोधित करने वाले हैं। पीएम के संबोधन सुनने के लिए यहां दूर-दूर से काफी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग पहुंचे हैं। सभी यहां प्रधानमंत्री के आने का इंतजार कर रहे हैं। आईएएनएस से बात करते हुए लोगों ने अपने उत्साह के इन पलों के बारे में बताया।

इंडोनेशिया में उत्तर प्रदेश की रहने वाली कुसुम उपाध्याय ने कहा कि हम यहां काफी देर से प्रधानमंत्री मोदी का इंतजार कर है। अब वह आ गए हैं। बहुत अच्छा लग रहा है। हम सब बस बहुत उत्साहित हैं प्रधानमंत्री मोदी का भाषण सुनने के लिए। सिद्धार्थ टेकरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का एक अलग ही व्यक्तित्व है। वो सभी भारतीयों को एकजुट करते हैं। मैं 30 साल से भारत से बाहर हूं, और बीते कुछ वर्षों में बाहर रहने वाले भारतीयों की जो इज्जत है, वो पहले कभी नहीं थी। जब से पीएम मोदी ने भारत की कमान संभाली है, विदेशों में रहने वाले भारतीयों का मान-सम्मान भी बढ़ गया है।

नीरज जैन ने कहा कि मैं जकार्ता में 14 साल से रह रहा हूं। आज पीएम मोदी से मुलाकात को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि अगर आप इंडिया और इंडोनेशिया का नाम भी देखें, तो काफी सिमिलर सा नाम है। दोनों देशों के बीच में बहुत सारी समानताएं हैं। दोनों ही ग्रोइंग इकोनॉमीज हैं, और दोनों अगर मिलके काम करें तो बहुत सारे अवसर दोनों देशों के लिए बनेंगे। प्रत्यूष प्रसन्ना ने कहा कि मैं एक फिनटेक कंपनी 'फ्लिप' का सीईओ हूं।

मोदी जी का तो सबसे ज्यादा इंतजार रहता है और हमें इसलिए खुशी है क्योंकि इंडिया में पेमेंट्स में पीएम मोदी ने बहुत सारे बदलाव किए हैं और हम भी वो सारे बदलाव इंडोनेशिया में लेके आ रहे हैं। जिसे ऑफिशियली पीएम मोदी अनाउंस करेंगे। हमें खुशी है कि इंडिया की पेमेंट टेक्नोलॉजी अब इंडोनेशिया में आ रही हैं। बहुत अच्छा लगेगा, ऐसा लगेगा कि इंडिया इंडोनेशिया में आ गया है।

राम कोठारी ने बताया कि वह पिछले 22 साल से यहां रह रहे हैं। आज मोदी जी हमारे बीच आ रहे हैं, तो हमें बहुत खुशी हो रही है। आज मोदी जी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान मिला है, हमें बहुत अच्छा लग रहा है। आज हम लोग सब उनका इंतजार कर रहे हैं।

वहीं, भारतीय मूल की एक महिला ने कहा कि हम लोग बहुत उत्साहित हैं। सबसे बड़ी बात है कि इंडोनेशिया में उनको सर्वोच्च सम्मान मिला है। यह सबसे वैल्यूएबल और मोस्ट प्रेशियस अवॉर्ड होता है। हम तो चाहते हैं कि पीएम मोदी हमेशा इंडोनेशिया आते रहें और हमसे मिलते रहें, हम लोग तो यही प्रेयर करते हैं। पूरी इंडियन कम्युनिटी उनका इंतजार कर रही है, यह गर्व का क्षण है हमारे लिए।

आंखें फोड़ीं, निजी अंग काटा, शरीर पर कई जगह दरांती से वार; 'कातिल मंत्री' को मजाक में कहा था ये शब्द

(जीएनएस)।

गाजियाबाद के मोदीनगर के एक गांव में ग्रामीण को तंज कसना इतना नागवार गुजरा कि उसने युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आरोपी ने उसकी आंखें फोड़ दीं और शरीर के कई हिस्सों पर दरांती से ताबड़तोड़ वार किए। र के पूठरी गांव में एक मामूली सी बात पर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक युवक को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया गया क्योंकि उसने एक ग्रामीण पर तंज कस दिया था। आरोपी ने इतनी बेरहमी से हत्या को अंजाम दिया कि मृतक की आंखें फोड़ दीं और दरांती से शरीर पर अनगिनत वार किए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल की गई दरांती व मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है।

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक तरुण उर्फ नमित, मूल रूप से मुजफ्फरनगर के खतौली का रहने वाला था और पिछले दो वर्षों से पूठरी गांव में अपने परिवार के साथ किराए पर रह रहा था। रविवार शाम से लापता तरुण का शव सोमवार को गांव से करीब 500 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला। शव की हालत अत्यंत वीभत्स थी, जिससे हत्या की क्रूरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूठरी गांव के ही निवासी निरांचल उर्फ मंत्री को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीसीपी के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मामूली सी कहासुनी और तंज कसने की बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने आपा खो दिया और निर्मम हत्या को अंजाम दिया।

मृतक तरुण अपने परिवार में सबसे बड़ा था। उसके पिता निर्दोष सैन मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मां मधुबाला, भाई कृष्णा और दो बहनें अनुराधा व गुड़िया का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने आरोपी के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। इस घटना ने पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

पुलिस ने बताया कि तरुण परतापुर के गेझा औद्योगिक क्षेत्र में गद्दा फैक्टरी में काम करता था। रविवार को अवकाश होने के कारण वह शाम करीब पांच बजे टहलने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। खोजबीन करने के बाद परिजनों ने रात करीब 11:30 बजे ग्राम प्रधान के माध्यम से पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी।

सुबह निवाड़ी-पूठरी संपर्क मार्ग के पास पूठरी निवासी रामवीर के खेत में तरुण का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। ग्रामीणों से इसकी सूचना मिलने पर निवाड़ी पुलिस व तरुण के पिता मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की।

हत्यारोपी निरांचल उर्फ मंत्री (33) ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि बीते शुक्रवार को तरुण, गांव के ही प्रिंस और उनके कुछ दोस्तों ने उसे भंगजी बाबा कहकर तंज कसते हुए मजाक उड़ाया था। इसी बात से वह आक्रोशित था। आरोपी के अनुसार रविवार शाम उसने तरुण को गांव से निवाड़ी की ओर जाते देखा।

तरुण ने उसे फिर भंगजी बाबा कहकर पुकारा। इस पर उसने तरुण पर दरांती से हमला कर दिया। आरोपी ने उसके चेहरे, गर्दन, पेट और निजी अंगों पर कई वार किए। उसने तरुण की दोनों आंखें भी फोड़ दीं और पेट की आंतें तक बाहर निकाल दी।

वारदात के बाद शव को सड़क से खींचकर खेत में ले गया और बोरे में भरने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर शव वहीं छोड़कर भाग गया। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह अन्य लोगों को भी निशाना बनाने की फिराक में था और मजाक उड़ाने वाली घटना के बाद से ही दरांती लेकर घूम रहा था। तीन दिन पहले उसने प्रिंस पर भी हमला किया था, लेकिन लोग पहुंच गए और वह बच गया।